Publication : Jansatta	Edition : Kolkata
Date : April 01, 2019	Page: 9

विजया बैंक व देना बैंक का आज बैंक आफ बड़ौदा में विलय

नई दिल्ली, 31 मार्च (भाषा)।

दो सरकारी बैंकों विजया बैंक और देना बैंक का एक अप्रैल को बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय हो जाएगा। इन दोनों बैंकों के विलय के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक बन जाएगा। विलय के बाद विजया बैंक और देना बैंक की सभी शाखाएं सोमवार से बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखाओं के तौर पर काम करने लगेंगी।

रिजर्व बैंक ने शनिवार को एक बयान में कहा कि विजया बैंक और देना बैंक के उपभोक्ताओं को एक अप्रैल से बैंक ऑफ बड़ौदा का उपभोक्ता माना जाएगा। केंद्र सरकार ने अतिरिक्त खर्च की भरपाई के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा को 5,042 करोड़ रुपए देने का पिछले हफ्ते फैसला किया था।

विलय की योजना के तहत विजया बैंक के शेयरधारकों को हर एक हजार शेयरों के बदले बैंक ऑफ बड़ौदा के 402 शेयर मिलेंगे। देना बैंक के शेयरधारकों को उनके हर एक हजार शेयर के बदले बैंक ऑफ बड़ौदा के 110 शेयर मिलेंगे। विलय के बाद संयुक्त निकाय का

देश का तीसरा बड़ा बैंक बन जाएगा बैंक आफ बड़ोदा

कारोबार 14.82 लाख करोड़ रुपए का होगा। यह भारतीय स्टेट बैंक और आइसीआइसीआइ बैंक के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक बन जाएगा। इस विलय के बाद देश में सरकारी बैंकों की संख्या कम होकर 18 रह जाएगी।

देश के बैंकिंग क्षेत्र में 31 मार्च, 2019 को समाप्त हो रहे इस वित्त वर्ष के दौरान कई अहम पहल की गईं। विजया बैंक और देना बैंक का बैंक आफ बड़ौदा में विलय करने के साथ ही सरकारी क्षेत्र के आइडीबीआइ बैंक में सरकार की 51 फीसद हिस्सेदारी को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) को हस्तांतरित कर दिया गया।

वित्त सेवाओं के विभाग ने साल के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में रिकार्ड 1.06 लाख करोड़ रुपए की पूंजी भी डाली। इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आफ इंडिया, कारपोरेशन बैंक, इलाहाबाद बैंक सहित पांच बैंक रिजर्व बैंक की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई निगरानी से बाहर निकल आए। इस दौरान बैंकों की गैर-निष्पादित राशि (एनपीए) में 2018-19 की अप्रैल-सितंबर तिमाही में 23,860 करोड़ रुपए की कमी आई।